जेएंडके में इस साल अब तक 140 आतंकी मारे गए

■ जम्मू (वार्ता)।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक आरआर भटनागर ने कहा कि कश्मीर घाटी में कानून- व्यवस्था की समस्या से निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने बेहतर तालमेल से काम करते हुए इस वर्ष अब तक जम्मू-कश्मीर में 140 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है।

भटनागर ने कहा, सीआरपीएफ और इसकी सहायक एजेंसियां कश्मीर घाटी में आतंकवाद, कानून- व्यवस्था, पत्थरबाजी और हड़ताल समेत कई चुनौतियों का सामना बखूबी कर रही हैं। महानिदेशक ने बृहस्पतिवार को शहर के बाहरी इलाके में बल के परिवारों के लिए बनाए गए आवासों का उद्घाटन करने के बाद कहा कि स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बलों में बेहतर तालमेल है और इस वर्ष राज्य में 142 आतंकवादियों को ठिकाने लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ कानून- व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए घातक हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। आतंकवादी सीमा से घुसपैठ का प्रयास कर रहे हैं और सुरक्षा बल उन पर हावी हैं और आतंकवाद निरोधक अभियान को सफलतापूर्वक ढंग से चलाया जा रहा है।

पुलिसकर्मियों पर हमलों के संबंध में महानिदेशक ने कहा, आतंकवादी हताशा में पुलिसकर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों पर हमले कर रहे हैं। यह कायराना काम है। वह ऐसा कर लोगों में भय फैलाना चाहते हैं लेकिन बलों को उनसे बखूबी निपटना आता है और वह अपने काम को बेहतर तरीके से अंजाम दे रही है। सीआरपीएफ प्रमुख ने कहा कि घाटी में 200 से 250 आतंकवादी सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न बलों के जवान 2016 से 2018 तक कम

सीआरपीएफ के डीजी आरआर भटनागर ने कहा, कश्मीर घाटी में आतंकवाद, कानून- व्यवस्था, पत्थरबाजी और हड़ताल समेत कई चुनौतियों का बखूबी सीआरपीएफ व उसकी सहायक एजेंसियां कर रहीं सामना

घायल और शहीद हुए हैं। सीआरपीएफ को आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में जम्मू- कश्मीर पुलिस, सेना, अर्द्धसैनिक बल के जवान मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंसू गैस के गोले, प्लास्टिक की गोलियां, प्लास्टिक के डंडों का इस्तेमाल सुरक्षा बल गड़बड़ी फैलाने वालों से निपटने में अधिक कर रहे हैं। सीआरपीएफ का कार्यक्रम 'मददगार' भटके हुए युवकों को मुख्यधारा में फिर से लाने के लिए सक्रियता से काम कर रहा है। इस संदर्भ में कई कार्यक्रम शुरू भी किए जा चुके हैं। घनी आबादी वाली जगहों पर शिविरों के संबंध में महानिदेशक ने कहा, हाल में कई बार फिदायीन हमले हुए हैं जिनका सफलतापूर्व मुकाबला किया गया है। विशेषकर रिहायशी क्षेत्रों के निकट स्थित शिविरों की सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाये गए हैं। जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित पंचायत चुनावों के लिए भी सीआरपीएफ को मुस्तैद किया गया है। जम्मू- कश्मीर, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और पूर्वोत्तर में सीआरपीएफ की भूमिका की सराहना करते हुए भटनागर ने कहा कि बल आतंकवाद से जुड़े हमलों का जोरदार मुकाबला कर रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की समस्या से निपटने में योगदान के साथ सीआरपीएफ के जवान प्राकृतिक आपदा और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों की मदद करने में भी पीछे नहीं हैं। इस वर्ष 15 अगस्त के मौके पर सीआरपीएफ के 96 जवानों को वीरता पुरस्कारों से नवाजा गया, जिसमें पांच शौर्यचक्र हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ सीआरपीएफ को नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस किया जा रहा है और गड़बड़ी की स्थितियों से मुकाबला करने के लिए उच्च तकनीक वाले उपकरण मुहैया कराए जा रहे हैं।

अब तक का लेखाजोखा जम्मू-कश्मीर में एक्शन में सेना

140 आतंकवादी मार गिराए

जम्मू, (वार्ता): केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक आर आर भटनागर ने कहा है कि कश्मीर घाटी में कानून-व्यवस्था की समस्या से निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने बेहतर तालमेल से काम करते हुए इस वर्ष जम्मू-कश्मीर में 140 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है।

श्री भटनागर ने कहा, 'सीआरपीएफ और इसकी सहायक एजेंसियां कश्मीर घाटी आतंकवाद, कानून- व्यवस्था, पत्थरबाजी और हड़ताल समेत कई चुनौतियों का सामना बखूबी कर रही हैं।' महानिदेशक ने गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके में बल के परिवारों के लिए बनाये गए आवासों का उद्घाटन करने के बाद

जम्मू में सीआरपीएफ के डीजी आर.आर. भटनागर जवानों की बैरकों का अन्य अधिकारियों के साथ दौरा करते हुए। (छाया : प्रेट्र.)

संवाददाताओं से कहा कि स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बलों में बेहतर तालमेल है और इस वर्ष राज्य में 142 आतंकवादियों को ठिकाने लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ कानून- व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए घातक हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर रही है। आतंकवादी सीमा से घुसपैठ का प्रयास कर रहे हैं और सुरक्षा बल उन पर हावी हैं और आतंकवाद निरोधक अभियान को सफलतापूर्वक ढंग से चलाया जा रहा है।

इस साल आतंक अभियान में 142 आतंकी मार गिराए

एजेंसी ■ जम्मू

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) आर आर भटनागर ने आज बताया कि इस साल आतंकवाद विरोधी अभियानों में कम से कम 142 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया कि करीब 200-250 आतंकवादी अब भी कश्मीर घाटी में सक्रिय हैं। डीजी ने कहा कि वर्ष 2016-17 की तुलना में इस साल कश्मीर में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर है और जवानों के घायल होने की संख्या में कमी आई है। उन्होंने बताया कि बल ने मददगार नामक एक हेल्पलाइन शुरू की है जिसका मकसद युवाओं को आतंकवादियों के साथ जुड़ने से हतोत्साहित करना है। इस प्रयास के तहत पिछले एक साल के दौरान ढाई लाख फोन आए। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हताश है, इसलिए वे निहत्थे सुरक्षाकर्मियों और उनके परिवारों को निशाना बना रहे हैं। भटनागर ने कहा,

हमारा सुरक्षा तंत्र बेहतर है और कानून व्यवस्था (कश्मीर में) के मोर्चे पर सुरक्षा हालात बेहतर है। आगामी दिनों में बल और बेहतर प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा, अकेले इस साल अब तक 142 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और पिछले साल भी नतीजे बेहतर थे। सुरक्षा स्थिति के बारे में पूछे जाने पर डीजी ने कहा कि आतंकवाद एवं कानून व्यवस्था के मुद्दे कश्मीर में दो बड़ी चुनौतियां है। इन चुनौतियों में पत्थरबाजी, बंद और हड़ताल शामिल है और हम इनसे सख्ती से निपट रहे हैं। भटनागर ने कहा, हमलोग प्रभावी तरीके से इन चुनौतियों से निपट रहे है। अपनी सहयोगी सुरक्षा एजेंसियों के साथ हमारा बेहतर तालमेल है। सुरक्षा बल अपने लक्ष्यों के अनुरूप ऐसी स्थिति से निपटने में सफल रहे हैं। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों द्वारा निहत्थे पुलिस कर्मियों को निशाना बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह इसलिए है क्योंकि आतंकवादी हताश है। उन्होंने कहा, निहत्थे पुलिसकर्मियों और सीआरपीएफ कर्मियों को उनके घरों में निशाना बनाकर वे कायराना हरकत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर बलिदान के साथ बल आतंकवाद के खात्मे की दिशा में और अधिक दृढ़ बन रहा है तथा हमारा बल इनसे सख्ती से निपटेगा।